Vol 6 Issue 1 July 2016 ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Manichander Thammishetty
Ph.d Research Scholar, Faculty of Education IASE, Osmania University, Hyderabad

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

.....More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

ISSN: 2231-5063 Impact Factor : 4.6052(UIF) Volume - 6 | Issue - 1 | July - 2016

Golden Research Thoughts
International Recognition Multidisciplinary Research Journal
RNI : MAHMUL/2011/38887
ISSN No: 2231-5063
Impact Factor 2.2052 (UIF) [Yr. 2014]
3.4052 (UIF) [Yr. 2015]
4.6052 (UIF) [Yr. 2016]

GRT Golden Research Thoughts

आँगनवाड़ी केन्द्रों की आधारिक संरचना का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

अर्चना गुप्ता[1] , प्रो. जे.पी. श्रीवास्तव[2] , डॉ. डी.पी. राय[3]

[1]शोधार्थी गृह विज्ञान, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना (म.प्र.)।

[2]प्रोफेसर एमिरेटस, प्रसार शिक्षा एवं सम्प्रेषण विभाग सियाट्स, इलाहाबाद।

[3]विभागाध्यक्ष, तकनीकि स्थानान्तरण विभाग संकाय, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना (म.प्र.)।

सारांश–

प्रस्तुत शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश राज्य के फतेहपुर जनपद के 2 विकासखण्डों खजुहा एवं अमौली में संचालित 31 आँगनवाड़ी केन्द्रों की आधारिक संरचना से सम्बन्धित है। इस शोध अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध अभिकल्प का प्रयोग करते हुए समस्या की वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत किया गया है। इस शोध पत्र में बहुस्तरीय संयोगिक निदर्शन तकनीकि का प्रयोग करते हुए चयनित विकासखण्डों से 31 आँगनवाड़ी केन्द्र

आनुपातिक दैव निदर्शन विधि द्वारा चयनित किए गए। आँकड़ों का संकलन अनुसूची विकसित करके व्यक्तिगत साक्षात्कार एवं अवलोकन विधि के द्वारा किया गया। अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध शालापूर्व शिक्षा की सामग्री क्षतिग्रस्त एवं अव्यवस्थित पाई गई। शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में भोजन पकाने के बर्तन अपर्याप्त पाए गए। सामान्य वजन मशीन 83.87 प्रतिशत, ग्रोथ चार्ट एवं शिशु रक्षा कार्ड 93.55 प्रतिशत तथा दवा किट 12.90 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध पाए गए। शौचालय की सुविधा 48.39 प्रतिशत, पीने के स्वच्छ पानी की सुविधा 67.74 प्रतिशत, पंखा या प्राकृतिक हवा की सुविधा, खेल गतिविधियों के लिए स्थान व बच्चों का वजन लेने के लिए स्थान 93.55 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में पाया गया जब कि पोषाहार भण्डारण की सुविधा केवल 32.26 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में ही उपलब्ध पाई गई। अभिलेखों/पंजिकाओं का रख–रखाव अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में अच्छा पाया गया। समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम को बेहतर बनाने हेतु अधिकांश उत्तरदाताओं (67.20%) ने आँगनवाड़ी केन्द्र का भौतिक परिवेश अच्छा होने एवं केन्द्र में बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होने, 65.59 प्रतिशत ने कार्यक्रम के प्रति लोगों को जागरूक करने, 64.52 प्रतिशत ने शालापूर्व शिक्षा में सुधार लाने, 61.29 प्रतिशत ने पूरक पोषाहार की व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं 56.45 प्रतिशत ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने पर बल दिया है।

महत्त्व पूर्ण शब्द : आँगनवाड़ी केन्द्र, पंजीकृत लाभार्थी, बुनियादी/भौतिक सुविधाएँ।

प्रस्तावना–

समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम बच्चों के समग्र विकास एवं व्यापक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत में 2 अक्टूबर 1975 को राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी की 106वीं जयन्ती के अवसर पर आरम्भ किया गया। प्रारम्भिक बाल्यावस्था की देखभाल और विकास के लिए यह विश्व का सबसे बड़ा कार्यक्रम है जो बच्चों के प्रति देश की बचनबद्धता का प्रतीक भी है। यह कार्यक्रम 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के उचित मनोवैज्ञानिक, शारीरिक तथा सामाजिक विकास की नींव रखने, उनके पोषण और स्वास्थ्य स्थिति को सुधारने, मृत्युदर, रुग्णता, कुपोषण और बीच में स्कूल छोड़ने की घटनाओं में कमी लाने, बाल विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न विभागों के नीति–निर्धारण और

कार्यक्रम लागू करने हेतु प्रभावकारी ताल–मेल स्थापित करने, उचित सामुदायिक शिक्षा के माध्यम से बच्चों के सामान्य स्वास्थ्य, पोषण तथा विकास सम्बन्धी आवश्यकताओं की देखभाल के लिए माताओं की क्षमता बढ़ाने जैसे उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रारम्भ किया गया। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इस योजना के तहत पूरक पोषाहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जाँच, सन्दर्भ सेवाएँ, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा शालापूर्व शिक्षा जैसी छः महत्त्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। इसके लाभार्थियों के अन्तर्गत 0 से 6 वर्ष तक के बच्चे, गर्भवती महिलाएँ, धात्री माताएँ, किशोरी बालिकाएँ तथा 15 से 45 वर्ष की महिलाएँ सम्मिलित हैं। समेकित बाल विकास योजना की समस्त सेवाएँ जिन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है उन्हें ***'आँगनवाड़ी केन्द्र'*** कहते हैं। ये आँगनवाड़ी केन्द्र बच्चों की देखभाल के लिए गाँव, शहर, आदिवासी क्षेत्रों तथा मलिन बस्तियों आदि में स्थापित किए जाते हैं। ग्रामीण और नगरीय परियोजनाओं में 150 से 400 की आबादी पर एक लघु आँगनवाड़ी केन्द्र तथा 400 से 800 की आबादी पर एक पूर्ण आँगनवाड़ी केन्द्र खोला जाता है। जब कि जन–जाति, नदी तट, रेगिस्तानी, पहाड़ी व अन्य कठिनाई वाले क्षेत्रों की परियोजनाओं में 150 से 300 की आबादी पर एक लघु आँगनवाड़ी केन्द्र तथा 300 से 800 की आबादी पर एक पूर्ण आँगनवाड़ी केन्द्र खोला जाता है। पूर्ण आँगनवाड़ी केन्द्र वे होते हैं जहाँ आँगनवाड़ी कार्यकत्री के साथ–साथ आँगनवाड़ी सहायिका भी उसके कार्यों में सहयोग के लिए कार्यरत रहती है। लघु आँगनवाड़ी केन्द्रों में केवल आँगनवाड़ी कार्यकत्री ही कार्यरत रहती है। कार्य क्षेत्र के परिवेश का कार्यकर्ताओं के गुणवत्ता पूर्वक सेवा प्रदान करने की प्रक्रिया में अत्यधिक महत्त्व होता है ***गुवाल (2015)***। अतः इस अध्ययन में आँगनवाड़ी केन्द्रों के भौतिक परिवेश पर प्रकाश डाला गया है। उक्त समस्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इस शोध अध्ययन की समस्या ***''आँगनवाड़ी केन्द्रों की आधारिक संरचना का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''*** रखी गई है। जिसके निम्न लिखित विशिष्ट उद्देश्य निर्धारित किए गए हैं– (1) आँगनवाड़ी केन्द्रों की आधारिक संरचना का अध्ययन करना। (2) कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उत्तरदाताओं द्वारा दिए गए सुझावों का अध्ययन करना

शोध विधि :

प्रस्तुत शोध अध्ययन में ***'वर्णनात्मक सर्वेक्षण शोध अभिकल्प'*** का अनुसरण किया गया है जिसमें समस्या की वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत किया गया है। इस शोध अध्ययन में ***'बहुस्तरीय संयोगिक निदर्शन तकनीकि'*** का प्रयोग किया गया जिसके प्रथम स्तर में जनपद फतेहपुर का उद्देश्य पूर्ण चयन किया गया, द्वितीय स्तर में फतेहपुर जनपद के दो विकासखण्ड का चयन सरल दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया, तृतीय स्तर में चयनित विकासखण्डों में संचालित 10 प्रतिशत (31) आँगनवाड़ी केन्द्र आनुपातिक दैव निदर्शन विधि द्वारा चयनित किए गए, चतुर्थ स्तर में उत्तरदाताओं के रूप में चयनित आँगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यरत समस्त आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों (31) एवं सहायिकाओं (31) को अध्ययन हेतु लिया गया एवं पंचम स्तर में प्रत्येक चयनित आँगनवाड़ी केन्द्र से 6 लक्षित महिलाएँ इस प्रकार कुल (31×6) 186 लक्षित महिलाओं का चयन सरल दैव निदर्शन विधि द्वारा किया गया। आँकड़ों के संकलन हेतु प्राथमिक स्रोत विशिष्ट उपकरण के रूप में उद्देश्यानुसार साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया एवं द्वितीयक समंकों का संकलन विभिन्न कार्यालयों से प्रकाशित अभिलेखों के माध्यम से किया गया। आँकड़ा संकलन उपकरण के रूप में उद्देश्यानुसार साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया जिसमें आँकड़े व्यक्तिगत रूप से साक्षात्कार, अनौपचारिक विचार–विमर्श, उपलब्ध अभिलेखों तथा अवलोकन विधि (जिससे उत्तरदाताओं के मूल्यों, विचारों एवं वास्तविक व्यवहारों का भली–भाँति अध्ययन किया जा सके) के द्वारा एकत्र किए गए। शोधार्थी द्वारा व्यक्तिगत रूप से उत्तरदाताओं से सम्पर्क कर घनिष्ठता स्थापित करके उनका साक्षात्कार लिया गया एवं अनुसूची में उनकी प्रतिक्रियाओं को अंकित किया गया। इस शोध अध्ययन में महत्त्वपूर्ण प्रणालियों वर्गीकरण तथा सारणीयन सांख्यिकी विश्लेषण का प्रयोग किया गया एवं सम्पूर्ण तथ्यों को प्रतिशत के आधार पर विवेचित किया गया है।

परिणाम एवं परिचर्चा :

सारिणी संख्या 1

सर्वेक्षित जनसंख्या एवं आँगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत लाभार्थियों के आधार पर उत्तरदाताओं का वितरण

N=31

क्र.सं.	लाभार्थी	विशेषताएँ	संख्या	प्रतिशत
1.	सर्वेक्षित जनसंख्या	938 से 1138	22	70.97
		1138 से 1338	07	22.58
		1338 से 1538	02	06.45
		योग	**31**	**100.00**
2.	7 माह से 3 वर्ष के बच्चे	45 से 59	14	45.16
		59 से 73	11	35.48
		73 से 87	06	19.36
		योग	**31**	**100.00**
3.	3 से 6 वर्ष के बच्चे	45 से 58	13	41.93
		58 से 71	15	48.39
		71 व अधिक	03	09.68
		योग	**31**	**100.00**

4.	गर्भवती महिलाएँ	7 से 11	19	61.29
		11 से 15	08	25.81
		15 व अधिक	04	12.90
		योग	**31**	**100.00**
5.	धात्री माताएँ	7 से 11	15	48.39
		11 से 15	12	38.71
		15 व अधिक	04	12.90
		योग	**31**	**100.00**
6.	किशोरी बालिकाएँ	3 से कम	00	00.00
		3	31	100.00
		3 से अधिक	00	00.00
		योग	**31**	**100.00**

सारिणी संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 45.16 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 45 से 59 सात माह से तीन वर्ष के बच्चों का, 48.39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 58 से 71 तीन से छः वर्ष के बच्चों का, अधिकांश उत्तरदाताओं (61.29%) ने 7 से 11 गर्भवती महिलाओं का, 48.39 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 7 से 11 धात्री माताओं का तथा शत प्रतिशत उत्तरदाताओं ने 3 किशोरी बालिकाओं का पंजीकरण किया है।

सारिणी संख्या 2
आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध शालापूर्व शिक्षा के संचालन की सहायक सामग्री

N=31

क्र.स.	शालापूर्व शिक्षा की सामग्री	हाँ		नहीं	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	दरी/चटाई	11	35.48	20	64.52
2.	कठपुतलियाँ	15	48.39	16	51.61
3.	मुखौटे	27	87.10	04	12.90
4.	लपेट श्यामपट	16	51.61	15	48.39
5.	मिलान/वर्गीकरण चार्ट	23	74.19	08	25.81
6.	रस्सी	00	00.00	31	100.00
7.	गेंद	29	93.55	02	06.45
8.	सी. सा. झूले	2	06.45	29	93.55
9.	अन्य सामग्री	24	77.42	07	22.58

सारिणी संख्या 2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि दरी/चटाई 35.48 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, कठपुतलियाँ 48.39 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, मुखौटे 87.10 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, लपेट श्यामपट 51.61 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, मिलान/वर्गीकरण चार्ट 74.19 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, गेंद 93.55 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, सी. सा. झूले 6.45 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में अन्य सामग्री 77.42 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जब कि रस्सी शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध नहीं है। अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध शालापूर्व शिक्षा की सामग्री क्षतिग्रस्त तथा अव्यवस्थित पाई गई। जिसकी पुष्टि ***एफ.ओ.आर.सी.एस. (2005)*** के शोध निष्कर्षों से भी होती है। सहायक सामग्री से सीख प्रक्रिया प्रभावी होती है एवं बच्चों में सीख अनुभव अधिक आता है। शालापूर्व शिक्षा की सामग्री की कमी एवं क्षतिग्रस्तता के कारण आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने में एवं बच्चों को अधिगम अनुभव में कठिनाई होती है।

सारिणी संख्या 3
आँगनवाड़ी केन्द्रों में खाना पकाने के लिए प्रयुक्त चूल्हा

N=31

क्र.सं.	चूल्हा	संख्या	प्रतिशत
1	मिट्टी का चूल्हा	23	74.19
2	स्टोव	00	00.00
3	गैस चूल्हा	08	25.81
4.	अन्य	00	00.00
योग		**31**	**100.00**

सारिणी संख्या 3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सर्वाधिक उत्तरदाता (74.19%) मिट्टी का चूल्हा तथा 25.81 प्रतिशत गैस चूल्हा का प्रयोग करते हैं। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अधिकांश उत्तरदाता (74.19%) खाना पकाने के लिए मिट्टी के चूल्हे का प्रयोग करते हैं।

सारिणी संख्या 4
आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध भोजन पकाने एवं परोसने के बर्तन

N=31

क्र.स.	बरतन	हाँ		नहीं	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	कुकर/भगौना	02	6.45	29	93.55
2.	बाल्टी	26	83.87	05	16.13
3.	चमचा	00	00.00	31	100.00
4.	थाली	00	00.00	31	100.00
5.	कटोरी	12	38.71	19	61.29
6.	गिलास	12	38.71	19	61.29
7.	चम्मच	00	00.00	31	100.00
8.	पोषाहार मापक	16	51.61	15	48.39
9.	अन्य बरतन	26	83.87	05	16.13

सारिणी संख्या 4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि कुकर/भगौना 6.45 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, बाल्टी 83.87 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, कटोरी एवं गिलास 38.71 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, पोषाहार मापक 51.61 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, अन्य बरतन 83.87 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जब कि चमचा, थाली तथा चम्मच शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध नहीं है। शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में भोजन परोसने के बरतन अपर्याप्त पाए गए हैं। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष ***निपसिड (2003), आई.आई.एम. (2005), गोपाल (2006) कुमार एवं गर्ग (2008) तथा बसीर एवं अन्य (2014)*** आदि की गवेषणात्मक उपलब्धियों के समानुरूप हैं। बरतनों के अभाव के कारण पूरक पोषाहार की सेवा प्रदान करने में आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सारिणी संख्या 5
आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध वृद्धि निगरानी से सम्बन्धित साधन/सामग्री

N=31

क्र.स.	सामग्री	हाँ		नहीं		प्रयोग की स्थिति	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	सामान्य वजन मशीन	26	83.87	05	16.13	20	64.52
2.	साल्टर वजन मशीन	04	12.90	27	87.10	04	12.90
3.	ग्रोथ चार्ट	29	93.55	02	06.45	00	00.00
4.	मातृ एवं शिशु रक्षा कार्ड	29	93.55	02	06.45	00	00.00
5.	दवा किट	04	12.90	27	87.10	00	00.00

सारिणी संख्या 5 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सामान्य वजन मशीन 83.87 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जिसमें 64.52 प्रतिशत केन्द्रों में प्रयोग की स्थिति में है। जब कि 16.13 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में सामान्य वजन मशीन उपलब्ध ही नहीं है। जिसकी ***सम्पुष्टि सीड्स (2005), गोपाल (2006) तथा एफ.ओ.आर.सी.एस. (2007)*** के शोध निष्कर्षों से भी होती है। साल्टर वजन मशीन 12. 90 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है और प्रयोग की स्थिति में भी है। ग्रोथ चार्ट तथा मातृ एवं शिशु रक्षा कार्ड 93.55 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है। दवा किट 12.90 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है एवं 87.10 प्रतिशत में उपलब्ध नहीं है। जब कि ***पौल (2003)*** के अध्ययन के अनुसार 50 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में दवा किट नहीं पाए गए हैं।

सारिणी संख्या 6
आँगनवाड़ी केन्द्र में उपलब्ध बुनियादी/भौतिक सुविधाएँ

N= 31

क्र.स.	सामग्री	हाँ		नहीं	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	शौचालय	15	48.39	16	51.61
2.	पीने का पानी	21	67.74	10	32.26
3.	पंखा या प्राकृतिक हवा	29	93.55	02	6.45
4.	खेल गतिविधियों के लिए स्थान	29	93.55	02	6.45
5.	बच्चों का वजन लेने के लिए स्थान	29	93.55	02	6.45
6.	भोजन पकाने के लिए स्थान	20	64.52	11	35.48
7.	पोषाहार भण्डारण के लिए स्थान	10	32.26	21	67.74

सारिणी संख्या 6 के अवलोकन से स्पष्ट है कि शौचालय की सुविधा 48.39 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में है जब कि 51.61 प्रतिशत में नहीं है। जिसकी सम्पुष्टि ***आई.आई.एस.डी. (2001), शोभा (2003), आई.आई.एम. (2005), एफ.ओ.आर.सी.एस. (2005 व 2007) माधवी एवं अन्य (2011)*** के शोध निष्कर्षों से भी होती है। पीने के पानी का प्रबन्ध 67.74 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में है जब कि 32.36 प्रतिशत में नहीं है। इसी प्रकार के निष्कर्ष ***शोभा (2003) तथा एफ.ओ.आर.सी.एस. (2005 व 2007)*** के अध्ययनों में भी ज्ञापित हुए है। पंखा या प्राकृतिक हवा की सुविधा, खेल गतिविधियों के लिए स्थान एवं बच्चों का वजन लेने के लिए स्थान 93.55 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जब कि 6.45 प्रतिशत में नहीं है। भोजन पकाने के लिए स्थान 64.52 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जब कि 35.48 प्रतिशत में नहीं है। ***गुप्ता एवं गुम्बर (2001)*** के अध्ययन में 50 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में भोजन पकाने के लिए स्थान की सुविधा पाई गई। पोषाहार भण्डारण के लिए स्थान 32.26 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध है जब कि 67.74 प्रतिशत के पास नहीं है। प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष ***बर्मन (2001), शोभा (2003), निपसिड (2003), मित्रा (2004), एफ.ओ.आर.सी.एस. (2005), आई.आई.एम. (2005), एस.ई.डी.ई.एम. (2005), गोपाल (2006), बोबन (2006) चुदस्मा एवं अन्य (2013) तथा बासिर एवं अन्य (2014)*** आदि की गवेषणात्मक उपलब्धियों के समानुरूप हैं।

Volume - 6 | Issue - 1 | July - 2016

सारिणी संख्या 7
आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध अभिलेख/पंजिकाएँ

N=31

क्र.सं.	अभिलेख/पंजिकाएँ	आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या जहाँ पूर्ण अभिलेख पाए गए		आँगनवाड़ी केन्द्रों की संख्या जहाँ अपूर्ण अभिलेख पाए गए	
		संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	सर्वेक्षण पंजिका	31	100.00	00	00.00
2.	लाभार्थी उपस्थिति पंजिका	31	100.00	00	00.00
3.	कार्यकत्री/सहायिका उपस्थिति पंजिका	31	100.00	00	00.00
4.	पुष्टाहार वितरण पंजिका	31	100.00	00	00.00
5.	टीकाकरण पंजिका	28	90.32	03	09.68
6.	पोषाहार स्टॉक पंजिका	30	96.77	01	03.23
7.	अन्य सामग्री स्टॉक पंजिका	25	80.65	06	19.35
8.	दैनिक गृह भ्रमण दैनन्दिनी	25	80.65	06	19.35
9.	जन्म–मृत्यु पंजिका	25	80.65	06	19.35
10.	महिला मण्डल पंजिका	25	80.65	06	19.35
11.	मातृ समिति बैठक पंजिका	27	87.10	04	12.90
12.	सन्दर्भन पंजिका	10	32.26	21	67.74
13.	गर्म पका–पकाया भोजन की कैशबुक	15	48.39	16	51.61
14.	मासिक प्रगति प्रतिवेदन	31	100.00	00	00.00

सारिणी संख्या 7 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सर्वेक्षण पंजिका, लाभार्थी उपस्थिति पंजिका, कार्यकत्री/सहायिका उपस्थिति पंजिका तथा पुष्टाहार वितरण पंजिका शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में पूर्ण पाई गईं। टीकाकरण पंजिका 90.32 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, पोषाहार स्टॉक पंजिका 96.77 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, अन्य सामग्री स्टॉक पंजिका, दैनिक गृह भ्रमण दैनन्दिनी, जन्म–मृत्यु पंजिका तथा महिला मण्डल पंजिका 80.65 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, मातृ समिति बैठक पंजिका 87.10 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, सन्दर्भन पंजिका 32.26 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में, गर्म पका–पकाया भोजन की कैशबुक 48.39 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में एवं मासिक प्रगति प्रतिवेदन शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में पूर्ण पाए गए। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अभिलेखों/पंजिकाओं का रख रखाव अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में अच्छा पाया गया जिसकी सम्पुष्टि ***ठाकर एवं अन्य (2011)*** के अनुसन्धानात्मक निष्कर्षों से भी होती है।

सारिणी संख्या 8
समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए उत्तरदाताओं द्वारा दिए गए सुझाव
N=186

क्र.सं.	कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए दिए गए सुझाव	संख्या	प्रतिशत	श्रेणी
1.	आँगनवाड़ी केन्द्र का भौतिक परिवेश अच्छा हो एवं केन्द्र में बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों।	125	67.20	I
7.	कार्यक्रम के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए।	122	65.59	II
2.	शालापूर्व शिक्षा में सुधार लाया जाए।	120	64.52	III
3.	पूरक पोषाहार की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए।	114	61.29	IV
4.	स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जाए।	105	56.45	V
5.	आँगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित निरीक्षण हो।	90	48.39	VI
6.	लोगों तक समेकित बाल विकास कार्यक्रम की सेवाओं की पहुँच को सुनिश्चित किया जाए।	82	44.09	VII

सारिणी संख्या 8 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि अधिकांश उत्तरदाताओं (67.20%) द्वारा आँगनवाड़ी केन्द्र के भौतिक परिवेश को बेहतर बनाने एवं केन्द्र में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में कहा गया जिसकी सम्पुष्टि ***अरोरा (2006)*** के अध्ययन से भी होती हैं। आँगनवाड़ी केन्द्र के भौतिक परिवेश एवं बुनियादी सुविधाओं के सम्बन्ध में उत्तरदाताओं के सुझाव हैं कि आँगनवाड़ी केन्द्रों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए, आँगनवाड़ी केन्द्र में साज–सज्जा की उचित व्यवस्था हो, विभागीय भवन हो, आँगनवाड़ी कार्यकत्री व सहायिका गणवेश पहनकर आँगनवाड़ी केन्द्र में आना सुनिश्चित करे, बच्चों के लिए भी गणवेश की व्यवस्था हो जिसकी पुष्टि ***एम.एम.आर. (2005)*** के अध्ययन से भी होती है। इसके अतिरिक्त आँगनवाड़ी केन्द्र में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, समुचित प्रकाश तथा स्वच्छ वायु की व्यवस्था हो। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम को बेहतर बनाने हेतु अधिकांश उत्तरदाताओं (67.20%) ने आँगनवाड़ी केन्द्र का भौतिक परिवेश अच्छा होने एवं केन्द्र में बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होने, 65.59 प्रतिशत ने कार्यक्रम के प्रति लोगों को जागरूक करने, 64.52 प्रतिशत ने शालापूर्व शिक्षा में सुधार लाने, 61.29 प्रतिशत ने पूरक पोषाहार की व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं 56.45 प्रतिशत ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने पर बल दिया है जब कि न्यूनतम उत्तरदाताओं (44.09%) ने लोगों तक समेकित बाल विकास कार्यक्रम की सेवाओं की पहुँच को सुनिश्चित करने तथा 48.39 प्रतिशत ने आँगनवाड़ी केन्द्रों के नियमित निरीक्षण करने का सुझाव दिया है।

निष्कर्ष :

प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणामों से स्पष्ट है कि अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध शालापूर्व शिक्षा की सामग्री क्षतिग्रस्त एवं अव्यवस्थित पाई गई जिसके कारण आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को गुणवत्ता परक शिक्षा प्रदान करने में एवं बच्चों को अधिगम अनुभव में कठिनाई होती है। शत प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में भोजन पकाने के बर्तन अपर्याप्त पाए गए। बरतनों के अभाव के कारण पूरक पोषाहार की सेवा प्रदान करने में आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सामान्य वजन मशीन 83.87 प्रतिशत, ग्रोथ चार्ट एवं शिशु रक्षा कार्ड 93.55 प्रतिशत तथा दवा किट 12.90 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में उपलब्ध पाए गए। शौचालय की सुविधा 48.39 प्रतिशत, पीने के स्वच्छ पानी की सुविधा 67.74 प्रतिशत, पंखा या प्राकृतिक हवा की सुविधा, खेल गतिविधियों के लिए स्थान व बच्चों का वजन लेने के लिए स्थान 93.55 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में पाया गया जब कि पोषाहार भण्डारण की सुविधा केवल 32.26 प्रतिशत आँगनवाड़ी केन्द्रों में ही उपलब्ध पाई गई। अभिलेखों/पंजिकाओं का रख–रखाव अधिकांश आँगनवाड़ी केन्द्रों में अच्छा पाया गया। समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम को बेहतर बनाने हेतु अधिकांश उत्तरदाताओं (67.20%) ने आँगनवाड़ी केन्द्र का भौतिक परिवेश अच्छा होने एवं केन्द्र में बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होने, 65.59 प्रतिशत ने कार्यक्रम के प्रति लोगों को जागरूक करने, 64.52 प्रतिशत ने शालापूर्व शिक्षा में सुधार लाने, 61.29 प्रतिशत ने पूरक पोषाहार की व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं 56.45 प्रतिशत ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने पर बल दिया है।

सन्दर्भ सूची :

1.Arora, S.; Bharti, S. and Mahajan, A.; (2006) : Evaluation of Non-Formal Pre-School Educational Services Provided At Anganwadi Centres (Urban Slums of Jammu City). Journal of Social Science, Vol. 12, Issue. 2, P.P. 135-137.

2.Barman, N.R.; (2001) : Functioning Of Anganwadi Centres Under ICDS Scheme: An Evaluative Study. Jorhat, Assam: "Research on ICDS: An Overview: 1996-2008: Volume 3" (2009) P.P 162-163.

3.Bashir, A.; Bashir, U.; Ganie, Z. A. and Lone, A.; (2014) : Evaluation Study of Integrated Child Development Scheme (ICDS) In District Bandipora of Jammu and Kashmir, India, International Research Journal of Social Sciences, Vol. 3, Issue. 2, P.P. 34-36, Available online at:www.isca.in, www.isca.me
4.Boban, K.Jose; (2006) : Supplementary Feeding In ICDS: Present System of Food Purchase, Distribution and Satisfaction of Beneficiaries. Thiruvananthapuram: LCSS- Loyola College of Social Sciences, Thiruvananthapuram 119 p. nipccd.nic.in>reports>icdsvol3.pdf
5.Chudasama, R.K; Kadri, A.M; Joshi, N; Bhola, C; Zalavadiya, D; Vala, M; (2013) : Evaluation of Supplementary Nutrition Activities under Integrated Child Development Services (ICDS) at Anganwadi Centres of Different Districts of Gujarat. Online Jounral Health and Allied Science, Vol. 12, Issue. 3, P.P. 1-4. Available at URL:http://www.ojhas.org/issue47/2013-3-1.html
6.Forum for Creche and Child Care Services; (FORCES 2005) : A Micro Study of the Status of the Young Child: A Block Level Study in Chandauli District of Uttar Pradesh. FORCES; C/o Centre for Women's Development Studies, 25, Bhai Veer Singh Marg, New Delhi-110001, 20 p.
7.Forum for Creche and Child Care Services; (FORCES 2005) : The Status of the Young Child in Rajasthan FORCES, C/o Centre for Women Development Studies, 25, Bhai Veer Singh Marg, New Delhi-110001, 64 p.
8.Forum for Creches Child Care Services; (FORCES 2007) : ICDS in Delhi : A Reality Check, C/o Centre for Women's Development Studies, "Research on ICDS: An Overview: 1996-2008: Volume 3" (2009) P.P 99-102.
9.Goowalla, H.; (2015) : Problems and Function of Anganwadi Workers (AWWS) in Assam- A Case study with Special Reference to Selenghat Blocks of Jorhat District, Electronic International Interdisciplinary Research Journal, Vol. 4, Issue. 3, P.P. 31-42.
10.Gopal, A.K.; (2006) : Three Decades of ICDS: An Appraisal. New Delhi: National Institute of Public Cooperation and Child Development.
11.Gupta, D. B. and Gumber, A.; (2001) : Concurrent Evaluation of Integrated Child Development Services: National Report (Volume-I) National Council of Applied Economic Research (NCAER), Parisila Bhawan, 11, Indraprastha Estate, New Delhi-110002, 200p.
12.Indian Institute for Social Development (IISD) Bhubaneswar, Orissa; (2001) : Nutritional Health and Pre-School Education Status of Children Covered under the ICDS Scheme in Orissa: An Evaluation Study,. 222 p.
13.Indian Institute of Management (IIM) Bangalore; (2005) : Social Assessment of ICDS in Karnataka. Bengalore: KAR-DWCD-Bannerghatta Road, P.O. Box 4113, Jayanagar H.O., Bangalore-560041, 215 p.
14.Kumar, P. and Garg, M.; (2008) : Quick Appraisal of Supplementary Nutrition Component of ICDS Report on ICDS Projects, Udupi and Karkala, Kasturba Medical College, Department of Community Medicine, Manipal, Karnataka, 23 p.
15.Midstream Marketing and Research Pvt. Ltd. ; (MMR 2005) : Performance Appraisal Of ICDS And Non-ICDS Districts With Reference To Holistic Development Of Child And Mothers In The Light Of Social Organization Participation : An Impact Cum Comparative Study In The States of Maharashtra And Madhya Pradesh : A Final Report. New Delhi: MMR- G-63, II Floor, Saket, 152 p.
16.Mitra, D.; (2004) : A Study on the Perception of Anganwadi Workers Towards Non-Formal Pre-School Education Programme of Anganwadi Centres Vidya Sagar School of Social Work, J.P. Institute of Social Change, DD-18/4/1, Salt Lake, Kolkata-700064, West Bengal. Kolkata: 62 p.
17.National Institute of Public Cooperation and Child Development (NIPCCD) Lucknow (2003) : ICDS Project Implementation in Pooh Block (Kinnaur Block) Himachal Pradesh, "Research on ICDS: An Overview: 1996-2008: Volume 3" (2009) P.P 3-5.

18.Paul, D.; (2003) : Evaluation of Medicine Kit Provided to Anganwadi Workers National Institute of Public Cooperation and Child Development, 5, Siri Institutional Area, Hauz Khas, New Delhi-110016, 102 p.
19.Sobha, I; (2003) : Welfare Services for Women and Children. Tirupati: Sri Padmavati Mahila Viswa Vidyalayam, Dept. Of Women's Studies, 212 p.
20.Socio-Economic and Educational Development Society; (SEEDS 2005) : Evaluation of Integrated Child Development Services (ICDS) Volume B: SEEDS, Himachal Pradesh., RZF-754/29, Rajnagar-II, Palam Colony, New Delhi-110045, 52 p.
21.Thakare, M.M.; Kurll, B.M.; Doibale, M.K., Goel, N. K.; (2011) : 'Knowledge of Anganwadi Workers and Their Problems' in an Urban ICDS Block Journal of Medical College Chandigarh, Vol. 1, No.1. P.P. 15-19.
http://icdsupweb.org/hindi/html

अर्चना गुप्ता
शोधार्थी गृह विज्ञान, महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना (म.प्र.)।

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org